मिशन CTET / STET 2023

HINDI

PREVIOUS YEAR QUESTIONS

CTET / STET की परीक्षाओं हेतु उपयोगी

BY HINDI GURU

LIVE | 05:00 PM

निर्देश(1-9): नीचे दिए गए गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नो के सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए(C-TET 2019)

आधुनिक शिक्षा का नतीजा हमने देख लिया। हमने उस शिक्षा का नतीजा भी देख लिया, जिसमें 'विकसित विज्ञान' का सबसे महत्वपूर्ण स्थान है, जिसके कारण व्यक्ति को कहीं भी या कितना भी मिलने के बावजूद तृप्ति नहीं होती। इसका कारण यही है कि शिक्षा के स्वाभाविक और आवश्यक अंगों को छोड़कर हमने ऐसे विषयों पर अधिक ध्यान दिया, जो मनुष्य का एकतरफा विकास करते है, जिनके कारण व्यक्तित्व का बड़े-से-बड़ा भाग अतृप्त रह जाता है। बाल्यावस्था में भी कला-शिक्षा को अभी तक उचित स्थान नहीं मिला है। जहाँ मिलता भी है, वहाँ बच्चा ग्यारह-बारह वर्ष का होते ही उसके शिक्षा-क्रम में से कला-प्रवृत्तियों को निकाल दिया जाता है। ऐसा ही हर्बर्ट रीड ने कहा है-"हमारा अनुभव हमें बताता है कि हर व्यक्ति ग्यारह साल की उम्र के बाद, किशोर-अवस्था और उसके बाद भी सारे जीवन-काल तक किसी-न-किसी कला प्रवृत्ति को अपने भाव-प्रकटन का

जरिया बनाये रख सकता है। आज के सभी विषय-जिन पर हम अपनी एकमात्र श्रद्धा करते है, जैसे-गणित, भूलोल, इतिहास, रसायनशास्त्र और यहाँ तक कि साहित्य भी-जिस तरह पढ़ाये जाते है, उन सबकी बुनियाद तार्किक है। इन पर एकमात्र जोर देने के कारण कला-प्रवृत्तियाँ, जो भावना प्रधान होती है, पाठ्यक्रम से करीब-करीब निकल जाती, बल्कि इन तार्किक विषयों को महत्व देने के कारण व्यक्ति के दिमाग से भी बिलकुल निकल जाती है। किशोर अवस्था को इस तरह गलत रास्ते पर ले जाने का नतीजा भयानक हो रहा है। सभ्यता रोज-ब-रोज बेढब होती जा रही है। व्यक्ति का गलत विकास हो रहा है। उसका मानस अस्वस्थ है, परिवार दुखी है। समाज में फूट पड़ी है और दुनिया पर ध्वंस करने का ज्वर चढ़ा है। इन भयानक अवस्थाओं को हमारा ज्ञान-विज्ञान सहारा दे रहा है। आज की तालीम भी इसी दौड़ में साथ दे रही है”।

इन पर एकमात्र जोर देने के कारण कला-प्रवृत्तियाँ, जो भावना प्रधान होती है, पाठ्यक्रम से करीब-करीब निकल जाती, बल्कि इन तार्किक विषयों को महत्व देने के कारण व्यक्ति के दिमाग से भी बिलकुल निकल जाती है। किशोर अवस्था को इस तरह गलत रास्ते पर ले जाने का नतीजा भयानक हो रहा है।

Q1.

अनुच्छेद के आधार पर हमें किस पर सर्वाधिक ध्यान दने की जरूरत है?

(1) विज्ञान पर

(2) कला प्रवृत्ति पर

(3) किशोरावस्था पर

(4) बाल्यावस्था पर

आज के सभी विषय-जिन पर हम अपनी एकमात्र श्रद्धा करते है, जैसे-गणित, भूलोल, इतिहास, रसायनशास्त्र और यहाँ तक कि साहित्य भी-जिस तरह पढ़ाये जाते है, उन सबकी बुनियाद तार्किक है।

Q2.

अनुच्छेद के अनुसार गणित, भूगोल, इतिहास आदि विषय--

(1) तर्क प्रधान हैं।

(2) भाव प्रधान हैं।

(3) कला प्रधान हैं।

(4) बोध प्रधान हैं।

इसका कारण यही है कि शिक्षा के स्वाभाविक और आवश्यक अंगों को छोड़कर हमने ऐसे विषयों पर अधिक ध्यान दिया, जो मनुष्य का एकतरफा विकास करते है, जिनके कारण व्यक्तित्व का बड़े-से-बड़ा भाग अतृप्त रह जाता है।

Q3.

ज्ञान-विज्ञान को बहुत अधिक महत्व देने के कारण--

(1) समाज उन्नति कर रहा है।

(2) समाज में विभाजन हो रहा है।

(3) व्यक्ति सृजन की राह पर है।

(4) व्यक्ति विध्वंस की राह पर नहीं हैं।

बल्कि इन तार्किक विषयों को महत्व देने के कारण व्यक्ति के दिमाग से भी बिलकुल निकल जाती है। किशोर अवस्था को इस तरह गलत रास्ते पर ले जाने का नतीजा भयानक हो रहा है।

Q4.

किशोरावस्था तार्किकता की प्रधानता और भाव के अभाव में.........का रास्ता अपना रही है।

(1) पतन

(2) ज्ञान

(3) प्रगति

(4) कर्म

उसका मानस अस्वस्थ है, परिवार दुखी है। समाज में फूट पड़ी है और दुनिया पर ध्वंस करने का ज्वर चढ़ा है। इन भयानक अवस्थाओं को हमारा ज्ञान-विज्ञान सहारा दे रहा है।

Q5.

अनुच्छेद के आधार पर कहा जा सकता है कि आधुनिक शिक्षा का नतीजा--

(1) सुखद है।

(2) दु:खद है।

(3) औसत है।

(4) पता नहीं।

आधुनिक शिक्षा का नतीजा हमने देख लिया। हमने उस शिक्षा का नतीजा भी देख लिया, जिसमें 'विकसित विज्ञान' का सबसे महत्वपूर्ण स्थान है।

Q6.

आधुनिक शिक्षा में किस विषय को सबसे अधिक महत्व दिया जाता है?

(1) कला को

(2) भाषा को

(3) विज्ञान को

(4) इतिहास को

Q7.

इनमें से कौन-सा शब्द समूह से भिन्न है?

(1) तार्किक

(2) स्वाभाविक

(3) साहित्यिक

(4) अभिव्यक्ति

Q8.

‘आज की तालीम भी इसी दौड़ में साथ दे रही है’। वाक्य में निपात है--

(1) आज

(2) भी

(3) इस

(4) में

Q9.

'विकसित' शब्द में प्रत्यय है--

इत

उपसर्ग → आदि मे → पहले

प्रत्यय → बाद मे

(1) सित

(2) इत

(3) त

(4) सत

Q10.

‘आप भला तो जग भला’ वाक्य में सर्वनाम के किस भेद का बोध होता है?(UP-TET 2020)

(1) अनिश्चयवाचक सर्वनाम

(2) प्रश्नवाचक सर्वनाम

(3) सम्बन्धवाचक सर्वनाम

(4) निजवाचक सर्वनाम

Q11.

'मृत्युंजय' पद में कौन-सा समास है?(UP-TET 2018)

(1) तत्पुरुष समास

(2) कर्मधारय समास

(3) बहुव्रीहि समास

(4) द्वन्द समास

Q12.

निम्नलिखित में से कौन-सा रासो ‘आल्हाखण्ड’ के नाम से प्रसिद्ध है?(UP-TET 2017)

(1) पृथ्वीरास रासो

(2) खुमान रासो

(3) परमाल रासो

(4) बीसलदेव रासो

Q13.

अशुद् विकल्प चुनिए-(MP-TET 2019)

(1) जो कम बोलने वाला हो - अल्पभाषी

(2) जो प्रमाण से सिद् न हो - प्रमाण्य

(3) जो किसी पर अभियोग लगाए - अभियोगी

(4) वर्षा का बिलकुल न होना - अनावृष्टि

Q14.

कवि और उसकी रचना का कौन-सा जोड़ा सही नहीं है?(UP TET 2018)

अनामिका, गीतिका
तुलसीदास, सरोज स्मृति

(1) परिमल – सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

(2) शिवराज भूषण - भूषण

(3) शब्द रसायन – देवदत्त शास्त्री

(4) उद्धव शतक – भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

जगन्नाथ दास

Q15.

पर्यायवाची शब्दों के संदर्भ में असंगत विकल्प चुनिए-(H-TET 2020)

(1) जीभ – वाचा, रसना, वाणी

(2) अहंकार – दंभ, दर्प, मद

(3) किरण – रश्मि, मयूख, प्रभा

(4) कौआ – मादक, मधुदूत, अतिसौरभ

Q16.

निम्न में से 'अतिथि' शब्द का सही विलोम शब्द बताइए-(MP-TET 2021)

(1) आतिथ्य

(2) अनातिथि

(3) आतिथेय

(4) सतिथि

मिशन CTET / STET 2023

Q17.

किस विकल्प में विसर्ग सन्धि का प्रयोग हुआ है?(H-TET 2022)

(1) युधिष्ठिर

(2) वयोवृद्ध

(3) परोपकार

(4) संस्कृति

Q18.

‘रहिमन पानी राखिए, बिन पानी सब सून।

पानी गए ने ऊबरे, मोती मानस चून’।

इस दोहे में कौन-सा अलंकार है?(UP-TET 2020)

(1) अनुप्रास अलंकार

(2) यमक अलंकार

(3) श्लेष अलंकार

(4) वीप्सा अलंकार

Q19.

निम्न में से किस व्यंजन का उच्चारण ‘दन्त्य’ नहीं है?(MP-TET 2019)

(1) त

(2) थ

(3) भ

(4) न

Q20.

‘सीस’ का तत्सम रूप क्या है?(UP-TET 2017)

(1) शीशा

(2) शीर्ष

(3) सिरा

(4) शीर्षक

Thank You !